



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 47] नई दिल्ली, शनिवार, फरवरी 23, 1974/फल्गुन 4, 1895

No. 47] NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 23, 1974/PHALGUNA 4, 1895

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF COMMERCE

PUBLIC NOTICE

IMPORT TRADE CONTROL

New Delhi, the 23rd February 1974

SUBJECT.—Increase in the c.i.f. value of imported goods on account of rise in freight, bunker surcharges and congestion surcharges.

No. 31-ITC(PN)/74.—Representations have been received that due to increase in freight, bunker surcharges and congestion surcharges at ports, the c.i.f. value of import licences against which goods are imported falls short at the time of clearance through customs, resulting in unauthorised imports to that extent. The matter has been examined, and it has been decided that any increase in the c.i.f. value of imported goods on account of a rise in freight, bunker surcharges and congestion surcharges subsequent to the placement of firm orders by the licence holders on the foreign supplier, may be condoned by the customs authorities on production of necessary documentary evidence by the importer.

S. G. BOSE MULLICK.

Chief Controller of Imports and Exports.

वाणिज्य मंत्रालय

सार्वजनिक सूचना

आयात व्यापार नियंत्रण

नई दिल्ली, 23 फरवरी, 1974

विषय.—भाड़े, बंकर-अधिप्रभारों तथा संकुलन अधिप्रभारों में वृद्धि के कारण आयातित माल के लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य में वृद्धि ।

सं० 31 आई०टी०सी० (पी० एन०)/73.—प्रतिवेदन प्राप्त हुए हैं कि पत्तनों पर भाड़े, बंकर-अधिप्रभारों और संकुलन अधिप्रभारों में वृद्धि हो जाने के कारण आयात लाइसेन्सों का वह लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य जिसके आधार पर माल आयात किया जाता है, सीमाशुल्क विभाग के माध्यम से निकासी के समय कम पड़ता है, इसका परिणाम यह होता है कि कमी की सीमा तक आयात अप्राधिकृत होते हैं। मामले की जांच की गई है। यह निश्चय किया गया है कि लाइसेन्स-धारियों द्वारा विदेशी संभरक को पक्के आदेश दे देने के बाद भाड़े, बंकर-अधिप्रभारों और संकुल-अधिप्रभारों में बढ़ोतरी हो जाने के कारण आयातित माल के लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य में कोई भी वृद्धि आयातक द्वारा आवश्यक दस्तावेजों साक्ष्य प्रस्तुत करने पर सीमाशुल्क प्राधिकारियों द्वारा क्षमा कर दी जाए।

एस० जी० बोस मल्लिक,

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात ।